इस कार्यालय को भेजे गये समस्त पत्रों में किसी पिछले सम्बन्धित पत्र की संख्या दिनांक विभाग व विषय लिखना चाहिए और इन्हें कुलसचिव के पते से भेजना चाहिये न कि उनके नाम से।

पत्र संख्या जी03090/1288/61-80

प्रेषक-

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,
वाराणसी,

प्रबन्धक,/प्रधानाचार्य,

प्रापक- आदर्श श्री वासुदेव वाराणसी, दिनांक 5/4/ 19 ई० 80

सं० पाठशाला, [illegible], [illegible]।

- - - - - - - - - - - - -

विषयः- मान्यता के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या - दिनांक - - - - - 22/8/80 के सम्बन्ध में सूचित किया जाता है कि आपके विद्यालय को - आचार्य- परीक्षा- में साहित्य - - - विषय-की - स्थायी मान्यता प्रदान की जाती है।

भवदीय,

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,
वाराणसी।

संख्या जी0 / वही / /79-80 दिनांक वही 1980

प्रतिलिपिः- निम्नलिखित को सूचनार्थ तथा आ0का0 हेतु प्रेषित।

1- शिक्षा निदेशक, माध्यमिक सामान्य(1)विभाग, उ0प्र0, इलाहाबाद।
2-उपशिक्षा निदेशक, (संस्कृत) उ0प्र0, इलाहाबाद।
3-निरीक्षक, संस्कृत पाठशालाएँ, उ0प्र0, इलाहाबाद।
4-सहायक निरीक्षक, सं0पा0, - वाराणसी- क्षेत्र - - वाराणसी - ।
5-परीक्षानुभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
6-सम्बद्ध सहायक, सामान्यानुभाग, ,, ,,
7-सम्बन्धित पत्रावली।

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,
वाराणसी।

भरत
7/4/80